DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

Certificate Course

(Six Month)

छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य

SESSION : 2022-23

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE,

DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

सत्र 2022–2023
प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य रूप (लोक नाट्य)
पाठ्यक्रम कोड – SCH1- 101

पूर्णांक :– 100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. लोक साहित्य की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करना ।
2. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य एवं संस्कृति के अंतर्संबंध को समझना।
3. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की परंपरा एवं विरासत से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1: लोक साहित्य : अवधारणा, अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य ।

इकाई 2: हिंदी के आरंभिक साहित्य में लोक तत्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतर्सम्बन्ध ।

इकाई 3: छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य : छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की परंपरा ।

इकाई 4: छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य के विविध रुप : लोकगीत, लोक नाट्य, लोक गाथा, लोक नृत्य, लोक संगीत और लोक सुभाषित ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी –

1. लोक साहित्य की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करेंगे ।
2. लोक साहित्य के महत्तव को समझ सकेंगे ।
3 छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति तथा लोक साहित्य की परंपरा एवं विरासत को सहेजने के प्रति जागरुक होंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. लघूत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2 = 10 अंक
प्रश्न 2. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक

30 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होगा जिसके अंतर्गत सत्रीय कार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का अध्ययन – डॉ. दयाशंकर शुक्ल, वैभव प्रकाशन, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ी लोक– जीवन और साहित्य का अध्ययन – डॉ. शंकुतला वर्मा, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
3. छत्तीसगढ़ी गीत – जमुनाप्रसाद कसार, श्री प्रकाशन, दुर्ग
4. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं लोक साहित्य – डॉ. बिहारी लाल साहू,वैभव प्रकाशन, रायपुर
5. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्यः नाचा – महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
6. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और रंगकर्म – डॉ. उषा बैरागकर आठले श्री प्रकाशन, दुर्ग

25/01/2022

दीपक सोनी

- हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ अभिनेष सुराना	विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त आचार्य	प्रो.थानसिंह वर्मा
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. जयप्रकाश साव
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	डॉ. कृष्णा चटर्जी
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र दीपक सोनी

सत्र 2022–2023

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र : द्वितीय

छत्तीसगढ़ी लोक–साहित्य–रुप (लोक नाट्य) भाग – 02

पाठ्यक्रम कोड– SCHI-102

पाठ्यक्रम की अवधि (तीन माह)

पूर्णांक :– 100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :–

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. लोक नाट्य परंपरा तथा उसके महत्त्व को समझना ।
2. छत्तीसगढ़ी "नाचा" के संबंध में जानकारी होगी ।
3. लोक गाथा पंडवानी तथा रहस की जानकारी तथा उसके महत्त्व को समझ सकेंगे ।

पाठ्यक्रम विवरण :–

इकाई 1 लोक–नाट्य का सामान्य अध्ययन ।

इकाई 2 नाचा ।

इकाई 3 पंडवानी ।

इकाई 4 रहस।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. लोक–नाट्य परंपरा तथा उसके विविध रुपों से परिचित होंगे ।
2. छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य नाचा से परिचित होंगे।
3. लोक गाथा पर आधारित पंडवानी तथा रहस से परिचित होंगे।

अंक विभाजन :–

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. लघूत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2 = 10 अंक
प्रश्न 2. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक

30 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होगा जिसके अंतर्गत सत्रीय कार्य होगा।

दीपक सोनी

संदर्भ ग्रंथ :–

1. रंग परम्परा – नेमीचन्द्र जैन वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्यः नाचा – महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
3. महाभारत की वाचिक परम्परा का लोक स्वरूप – पंडवानी – चौमासा
4. रहस – छत्तीसगढ़ का पारम्परिक लोकनाट्य – निरजन महावर प्रकाशन, दुर्ग
5. लोक साहित्य समग्र – राम नारायण उपाध्याय, हिन्दी प्रचारक पब्लिकेशन, वारानसी
6. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और रंगकर्म – डॉ. उषा बैरागकर आठले श्री प्रकाशन, दुर्ग

- हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ अभिनेष सुराना	विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	प्रो.थानसिंह वर्मा
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. जयप्रकाश साव
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	डॉ. कृष्णा चटर्जी
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र